

वर्ल्ड जल सप्ताह 2025

चर्चा में क्यों?

24-28 अगस्त, 2025 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में वर्ल्ड जल सप्ताह का आयोजन किया गया।

- इस कार्यक्रम के दौरान, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG) को नदी पुनरुद्धार और समुदाय-संचालित पर्यासों के लिये एक वैश्विक प्रेरणा के रूप में मान्यता दी गई।

मुख्य बंु

- वर्ल्ड जल सप्ताह के बारे में:
 - वर्ष 1991 में स्थापित, यह कार्यक्रम स्टॉकहोम अंतरराष्ट्रीय जल संस्थान (SIWI) द्वारा आयोजित किया जाता है तथा जल प्रबंधन से संबंधित ज्ञान, समाधान और प्रतबिद्धताओं के आदान-प्रदान के लिये एक महत्त्वपूर्ण मंच प्रदान करता है।
 - वर्ष 2025 संस्करण, जो अपने 35वें वर्ष को चहिनति करता है, 'जलवायु कार्रवाई हेतु जल' वषिय पर केंद्रित था, जिसमें जलवायु परबिरतन से नपिटने और सतत विकास प्राप्त करने में जल की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।
- भारत की भूमिका:
 - वर्ल्ड जल सप्ताह 2025 के दौरान, NMCG '2022-2023 2024 2025 2026 2027 2028 2029 2030 2031 2032 2033 2034 2035 2036 2037 2038 2039 2040 2041 2042 2043 2044 2045 2046 2047 2048 2049 2050' सत्र का हस्सिा था, जिसमें जलवायु-लचीले शहरों को सुनश्चिति करने में नदी-केंद्रित शहरी विकास की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।
 - सत्र में सतत शहरी नयिजन के लाभों और बेसनि-केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया, जिसमें संपूर्ण नदी पारस्थितिकी तंत्र पर वचिार किया गया।
 - सत्र का नेतृत्व NMCG, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अरबन अफेयर्स (NIUA) और डॉयचे गेसेलशाफ्ट फर इंटरनेशनल जुसामेनरबीट (GIZ) ने किया।

नमामगिंगे मशिन

- यह गंगा नदी और इसकी सहायक नदियों के पुनरजीवन हेतु एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य प्रदूषण को कम करना, जल की गुणवत्ता में सुधार करना तथा नदी के पारितंत्र को पुनरस्थापित करना है।
- कार्यान्वयन: हाइबरडि-एन्यूटी-मॉडल (HAM) के तहत चयनित बोलीदाता द्वारा गठित वशिष प्रयोजन नकिया (SPV) शोधन संयंत्रों (STP) के विकास, संचालन और अनुरक्षण की ज़मिमेदारी संभालता है।
- लागत का 40% नर्रिमाण के बाद तथा शेष 60% परयोजना की पूरी अवधि के दौरान प्रदान किया जाता है।

भारत जल सप्ताह (IWW)

- भारत सरकार के जल शक्तमंत्रालय ने वर्ष 2012 में भारत जल सप्ताह की संकल्पना की और इसे प्रारंभ किया, जिसि अब प्रत्येक दो वर्ष में आयोजित किया जाता है।
- इसका उद्देश्य जल प्रबंधन से संबंधित महत्त्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करना तथा जल-संबंधी प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं में नवाचार को प्रोत्साहित करना है।
- IWW वैश्विक जल कूटनीतिका एक महत्त्वपूर्ण मंच बन चुका है, जो जल-संबंधी प्रमुख चुनौतियों पर संवाद, नवाचार और ज्ञान के आदान-प्रदान को सुगम बनाता है।

